दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 29.06.2021

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश की अग्रणी संस्था है, जिसमें कला, विज्ञान, वाणिज्य और बी.एड. संकायों में विगत आधी शताब्दी से भी अधिक समय से मूल्यपरक एवं राष्ट्रवादी शिक्षा प्रदान की जा रही है। इस संस्था में 01 जूलाई 2016 को डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इस पॉच वर्षों में अपने अहर्निश प्रयास से महाविद्यालय के विकास एवं उन्नयन हेतु यथा संभव प्रयास किया। प्राचार्य पद पर आसीन होने के उपरान्त डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने महाविद्यालय के आधारभूत ढॉचे–पुस्तकालय व वाचनालय के उच्चीकरण, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन–नियोजन, प्लेसमेंट, नये पाठ्यक्रमों में सम्बद्धता, प्रयोगशालाओं का उच्चीकरण, शैक्षिक पंचांग आदि क्षेत्रों को चिन्हित कर आवश्यक सुझाव प्राचार्य के माध्यम से प्रबन्धतंत्र तक संस्तुत करने और अनुमति के पश्चात सम्बंधित विभागों व समितियों के प्रभारीगण से उनकों क्रियान्वित करने का समग्र प्रयास किया गया, जिसका परिणाम है कि आज महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर दो नये विषय खुले और दस विषयों में स्नातकोत्तर कक्षायें संचालित हो रही हैं तथा पॉच विषयों में शोध कार्य भी हो रहे हैं। प्रत्येक कार्यदिवस पर विद्यार्थियों की प्रार्थना सभा आयोजित होती है, महाविद्यालय में दिव्यांग सुविधा कक्ष, लैग्वेज लैब, हर्बल गार्डेन, हारबेरियम कक्ष, दोनो परिसरों में वाटर हारवेस्टिंग, कम्पोस्टिंग, उत्कृष्ट लॉन, उर्जा संरक्षण हेतु सोलर पैनल द्वारा विद्युत व्यवस्था, ग्रीन आडिट व एनर्जी आडिट की व्यवस्था, एन.सी.सी., क्रीड़ा विभाग के अंतर्गत दिग्विजयनाथ ताइक्वांडों केन्द्र, व्यायामशाला, योग केन्द्र, प्राचीन इतिहास विभाग का संग्रहालय, अभिभावकों व पुरातन विद्यार्थियों के साथ निरंतर संवाद, 22 संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन, छात्र परिषद व छात्र सेवा प्रकोष्ठ का गठन आदि ऐसे अनेक प्रयास किये गये हैं, जिन्होने महाविद्यालय को उत्कृष्टता प्रदान की है।

परिणाम स्वरूप संस्था ने इस वर्ष राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन के तृतीय चक्र में (सी.जी.पी.ए. 2.84 के साथ) **B++** ग्रेड प्राप्त किया है।

इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए हमारे माननीय अभिभावक गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने संस्था को कृपापूर्वक आशीष प्रदान किया और भविष्य में बेहतर करने के लिए भी प्रेरित किया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. उदय प्रताप सिंह तथा ने महाविद्यालय की इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और आगे बेहतर परिणाम हेतु अपनी शुभकामनाएँ भी दीं।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह यह मानते है कि नैक का जो परिणाम हमें प्राप्त हुआ है वह हमें प्रोत्साहित करने वाला है। प्राचार्य ने महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के सक्रिय सहयोग तथा मुख्य रूप से महाविद्यालय के प्रबन्धक परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन व प्रोत्साहन के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए यह संतोष व्यक्त किया कि महाविद्यालय की स्थापना भारतीय पद्धति की शिक्षा के प्रसार व राष्ट्रवादी चरित्र निर्माण के जिस पावन उद्देश्य को लेकर संस्थापकद्वय युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज तथा राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई थी, उस पर महाविद्यालय उत्तरोत्तर अग्रसर है।

कोविड प्रोटोकाल के कारण प्रतीकात्मक रूप से आभार कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के उन्नयन एवं विकास में निरन्तर सहयोग के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि प्रिन्ट व इलेक्ट्रानिक मीडिया, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, उत्तर प्रदेश संस्कृति अनुभाग लखनऊ, संस्कार भारती गोरखपुर, जागो गोरखपुर, सामाजिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक संस्था संगम, पुरातन छात्र परिषद, शिक्षक–अभिभावक समिति, छात्र परिषद तथा अल्पाइन फाउण्डेशन आदि सहित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सभी संस्थाओं के संस्था प्रमुखों द्वारा प्राप्त सहयोग अविस्मरणीय है इसकी निरन्तरता बनी रहे। इस अवसर पर प्रो.डी.के.सिंह, डॉ. शरदमणि त्रिपाठी, श्री नरसिंह बहादुर चन्द, श्रीकृष्ण सिंह, श्री अभिषेक सिंह, सुश्री अमृता राव, श्री अमित सिंह पटेल, श्री भारतेन्दु पाण्डेय तथा महाविद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा, डॉ. गीता सिंह, डॉ. सत्येन्द्र प्रताप सिंह, डॉ. आर.पी. यादव, डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. कमलेश कुमार मौर्य, डॉ. शैलेश कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

डॉ. (शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क